CAREER POINT

ANSWER-KEY

SUBJECT: - HINDI

PAPER-CODE:-4/1

SET-1

खण्ड–क

प्र.1

(क) हँसी का महत्व

(ख) उससे शोक और दुःख की दीवारों को ढा सकते है।

(ग) हँसी से आयु बढ़ती है।

(घ)हँसने से शरीर को अच्छा रख सकते है ?

(ड) हँसी से शारीरिक विकास होता है तथा आयु बढ़ती हैं पुराने लोगों ने कहा है कि हँसो और पेट फुलाओ।

प्र.2

(क)जो मनुष्य अपना जीवन धरती की रक्षा हेतु अर्पित कर देते है।

(ख) जो मनुष्य इस धरती की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व अर्पण कर देते है वे दुनिया में मर कर भी यश रूपी शरीर से जीवित रहते हैं।

(ग) कवि नव युवकों से यह अपेक्षा रखता है कि वह नींव की ईट बने। अपना नाम अमर करें।

खण्ड–ख

प्र.3 शब्द जब एक वाक्य में प्रयोग किया जाता है तो शब्द पद बन जाता है।

जैसे–राम बाजार जाता है।

यहाँ 'राम' एक शब्द है और जब इस शब्द को वाक्य मे प्रयोग किया तो यह 'पद' बन गया।

प्र.4

(क) जापान में चाय पीने की विधि को चा–नो–यू कहते हैं।

(ख) जैसे ही तताँरा को देखा वामीरो फूट–फूट कर रोने लगी।

(ग) तताँरा की आँखे व्याकुल थी और वह वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थी।

प्र.5

(क) जनांदोलन (तत्पुरूष समास)
नीलकमल (कर्मधारय समास)

(ख) नो निधियों का समूह (द्विगु समास)
यथा समय / समय के अनुसार (अव्ययी भाव)

प्र.6

(क) वह गर्म पानी से स्नान करता है।
(ख) माता जी बाजार गई हैं।
(ग) अपराधी को मृत्युदंड मिला।
(घ) मैं अपना काम कर लूँगा।

प्र.7

मौत सिर पर होना – सैनिको को शत्रुओं का सामना करते समय ऐसा लगता है। मानो मौत सिर पर हों।
चेहरा मुरझाना – राकेश की माँ ने उसे खिलौना नहीं दिलाया तो उसका चेहरा मुरझा गया।

प्र.8

(क) रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें, तब वास्तव में उनका टूट जाना ही उचित है। तथा इनमें परिवर्तन करना श्रेयस्कर होता हैं क्योंकि रूढ़िया व्यक्ति को बंधनों में जकड़ लेती है जिससे व्यक्ति का विकास होना बंद हो जाता हैं । इनके टूट जाने से व्यक्ति के दिलो–दिमाग पर छाया बोझ हट जाता है। व्यक्ति की उन्नति तथा स्वतन्त्रता हेतु इन रूढ़ियों को तोड़ देना चाहिए नही तो ये हमारी उन्नति में बाधक बनकर खड़ी रहेगी।

(ख) फिल्मों में त्रासद स्थितियों का चित्रांकन ग्लोरिफाई इसलिए कर दिया जाता है ताकि अधिकतर लोगों की भावात्मक शोषण कर उनको फिल्म देखने के लिए आकर्षित किया जा सके। जबकि सामाजिक सुधार एवं स्वरूप, सकारात्मक संदेश के लिए उनमें कुछ सद्गुणों एवं शिक्षाप्रद दृश्यों को ग्लोरिफाई करना चाहिए।

(ग) उसकी उँगुली को कुत्ते ने काट लिया था।

प्र.9

लेखक प्रेमचंद 'द्वारा बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर समूची शिक्षा प्रणाली के कई पहलुओं पर व्यंग्य किया गया है। वे पाठ के माध्यम से बताना चाहते है कि कहानी के प्रमुख पात्र बड़े भाई साहब व एक उनका छोटा भाई जो उनसें पाँच साल छोटा है। परिवार में बड़ा भाई होने के कारण उनसे बड़ी

आदर्शात्मक अपेक्षाएँ की जाती है वह स्वयं भी वही कार्य करते जो उनके छोटे भाई के लिए आदर्श बन सके। इसलिए वह हर समय पढ़ाई करते रहते है। और छोटे भाई पर कड़ी निगरानी रखते है समय–2 पर छोटे भाई को पढ़ाई के प्रति गंभीर रूप से सचेत करते रहते है। इस आदर्श रूप को बनाने के लिए वह अपना बचपन भी खो बैठते है।इस समस्या का समाधान हो सकता है। यदि हर विद्यार्थी अपने कर्तव्य को समझे व अपने दायित्वों का उचित ढगं से निर्वाह करे।

अथवा

बढ़ती आबादी ने पर्यावरण को अत्यधिक प्रभावित किया है। पहले जमीन के बड़े भाग में जंगल थे। पेड़,पौधो,पशु–पक्षियों से धरती हरी–भरी थी। चारो और हरियाली तथा परिंदो की चहचाहट थी। जनसंख्या के बढ़ने पर लोगों के लिए स्थान विस्तारित करने हेतु जंगलों को काटा गया। इससे पेड़–पौधो तथा पशु–पक्षियों का पलायन हुआ। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगा। इसने पर्यावरण को प्रभावित किया। प्रकृति के असंतुलन ने कई विसंगतियों को जन्म दिया है। अनावृष्टि,अतिवृष्टि,बाढ़,तूफान,सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं को इस असंतुलन ने ही आमंत्रित किया है।

प्र.10

(क) प्रस्तुत कविता में दीपक आत्मा का प्रतीक हैं और प्रियतम परमात्मा का प्रतीक है कवयित्री अपनी आत्मा रूपी दीपक को जलाकर अपने आराध्य देव अर्थात प्रियतम परमात्मा तक जाने के मार्ग को प्रशस्त करना चाहती हैं। यह आत्मा रूपी दीपक कवयित्री की आस्था का दीपक हैं।

(ख) पर्वत प्रदेश में पावस कविता में पर्वत के रूप–स्वरूप का वर्णन करते हुए बताया हैं कि सामने करधनी के आकार की पर्वत श्रृंखला हैं। वह पर्वत नीचे स्थित तालाब में अपना रूप सौन्दर्य हजारों फूलों रूपी आँखों से देख रहा है।

(ग) बिहारी ने जगत तपोवन इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार तपोवन में ईर्ष्या, द्वेष, बैर, शत्रुता आदि भाव नहीं रहते और वहाँ पर रहने वाले तपस्वी ईर्ष्या विरोध एवं शत्रुता आदि को त्याग देते है उसी प्रकार ग्रीष्म की कड़ी धूप में साँप एवं मोर तथा हिरन एवं बाघ तक को आपसी शत्रुता भुलाकर एक ही ठंडे स्थान पर रहने के लिए विवश कर दिया है। इसलिए ऐसा लगता है मानो समस्त जगत ही तपोवन बन गया है।

प्र.11

कर चलें हम फिदा कविता प्रत्येंक प्राणी को प्रेरित करने का काम करती है। इस कविता में बताया गया है कि प्रत्येंक मनुष्य को अपनी जिंदगी प्यारी है। असाध्य रोगी भी लंबा जीवन जीना चाहता है। वृद्ध तथा लाचार भी मरने की बात कभी नहीं सोचते मृत्यु नजदीक देख अहिंसक भी हिंसक बन जाते है। ऐसे में देश की सीमाओं पर तैनात सैनिको का जीवन एक आदर्श चेतना के सामने लाने का प्रयास है। 'कर चले हम फिदा' गीत में कवि ने सैनिकों के माध्यम से देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले लोगो की भावना को आलोकित किया है। देश की रक्षा में अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाला सैनिक ऐसी ही अपेक्षा आने वाली युवा पीढ़ियों से भी करता है। यही इस गीत का प्रतिपाद्य है।

अथवा

'मनुष्यता' कविता के माध्यम से राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त मनुष्य मात्र के बंधुत्व को परिभाषित करते हुए हमें मनुष्यता से आवृत गुणों के मार्ग पर चलने की सलाह देते है। जो दूसरों के लिए जीता या मरता है परोपकार, दयालुता, तथा उदारता के गुण जीवन को सार्थक बनाने मैं सक्षम है। दूसरो का हित–चितंन भी अपने और अपनों के हित चिंतक की तरह ही महत्वपूर्ण होना चाहिए। केवल अपने लिए जीना पशु प्रवृति है। जबकि दूसरों के लिए जीना ही 'मनुष्यता' है।

प्र.12

इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की दोस्ती आज के समाज के लिए वरदान से कम नहीं है। हाँ मैं इस कथन से पूर्णतया सहमत हूँ क्योंकि ऐसी दोस्ती से देश में साम्प्रदायिक सौहार्द का वातावरण तैयार होगा। ऐसा होने से जहाँ राष्ट्रीय एकता व अखण्डता को मजबूती मिलेगी, वही साम्प्रदायिक उन्माद के कारण देश में जान–माल का जो भारी नुकसान होता है। वह भी नही होगा। इससें इंसानियत फलेगी–फूलेगी और प्रेम, भाई चारे की भावना बढ़ने से देश की धरती को स्वर्ग बनते देर न लगेगी। अतः मानवतावादी वातारण बनाने तथा महज़बी कट्टरपन को दूर करने के लिए ऐसी दोस्ती बहुत जरूरी है। मनुष्यता की दृष्टि से आज के समय की यह बहुत बड़ी माँग है। सांप्रदायिक सौहार्द की भावना मनुष्यता की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

अथवा

महंत एक अपहरणकर्ता के रूप में भी सामने आता है जब वह जान जाता है कि हरिहर काका अपने परिवार की मोह–माया में फँसकर रह गए हैं तब वह उनका अपहरण करने की अपनी योजना को कार्य रूप में परिणत करने के लिए जी–जान से जुट जाता है। इस प्रकार कह सकते हैं कि महंत धर्म के नाम पर लोगो को ठगने वाला महा स्वार्थी व्यक्ति है। जो अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए नीच से नीचे कार्य करने में भी नहीं हिचकता है।

प्र.13 अनुच्छेद लेखन

(क) भारतीय किसान के कष्ट – वर्णन के अनुसार ।

(ख) 'मन के हारे है मन के जीते जीत' – वर्णन के अनुसार।

(ग) स्वच्छता आंदोलन – वर्णन के अनुसार

प्र.14

सेवा में,
श्रीमान् परिवहन अध्यक्ष महोदय,
जिला परिवहन विभाग
कोटा।
दिनांक 06.03.2018
विषय :– बस कंडक्टर को पुस्स्कृत करने वाबत्
महोदय,

उपरोक्त विषय में निवेदन है कि मै दिनांक 03.03.2018 को परिवहन विभाग की बस न. 4856 से कोटा से जयपुर की यात्रा कर रहा था मेरा सूट केस बस में रह गया था। परन्तु अगले दिन मुझे बस कंडक्टर ने मेरा सूट केस घर के पते पर पर पहुँचा दिया मुझे बहुत ही आश्चर्य हुआ मैं अपनी तरफ से उस बस कंडक्टर का उचित परितोषिक देना चाहता हूँ।

अतः आप से आशा करता हूँ ऐसे ईमानदार बस कंडक्टर को आपके विभाग से भी पुस्स्कृत किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में और लोग भी इसका अनुसरण कर सकें।

धन्यवाद।

भवदीय
क ख ग

अथवा

सेवा में,
श्रीमान् प्रबंधक महोदय,
एस बी आई बैंक
कोटा।
दिनांक 06.03.2018
विषय :– आधार कार्ड को बैंक खाते से जोडने बाबत्
महोदय,

उपरोक्त विषय में निवेदन है कि मै आपकी बैंक का स्थायी खातेदार हूँ मेरा बैंक खाता सख्या 93334 है। मैं अपना बैंक खाता आधार से लिंक करवाना चाहता हॅ।

अतः आप से निवेदन है कि मेरा बैंक खाता शीघ्रताशीघ्र आधार से लिंक करें

धन्यवाद।

भवदीय
क ख ग

प्र.15

हिन्दी छात्र–परिषद गुरूकुल कोटा (राज.)

सूचना

दिनांक 06.03.2018

सांस्कृतिक संध्या

सभी विद्यार्थियो को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10 मार्च 2018 को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है।

जिन छात्र –छात्राओ को कार्यक्रम में भाग लेना है। वे अपना नाम सम्बंधित अध्यापक को लिखा दे।

प्रगण्य

अध्यक्ष

हिन्दी छात्र परिषद

अथवा

रंगमंच सास्कृतिक संस्था, कोटा (राज.)

सूचना

दिनांक 06.03.2018

स्वर परीक्षा

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10 मार्च, 2018 को स्वर परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

इच्छित विद्यार्थी अपना नाम संगीत अध्यापक को दे देवे।

स्थान – संगीत कक्ष

समय – सॉय 5 बजे

सचिव (लतिका)

रंगमच सांस्कृतिक संस्था

प्र.16 संवाद लेखन

अध्यापक – विद्यालय में मोबाईल फोन पर प्रतिबंध लगा हुआ।

अभिभावक–आप विद्यालय परिसर में मोबाईल का उपयोग नही करने दो अच्छी बात है। परन्तु हॉस्टल में तो मोबाईल का उपयोग कर सकते है।

अध्यापक – हॉ हॉस्टल में तो आप बात कर सकते है।

अभिभावक–क्या साधारण फोन ही प्रयोग मे ला सकते है या फिर एनरॉयड फोन भी काम में ले सकते है।

अध्यापक –एनरॉयड फोन यहॉ उपयोग नही कर सकते।

अभिभावक–परन्तु आजकल तो कई काम फोन से ही किये जाते है।

अथवा

राकेश – आजकल तो सभी जगह स्वच्छता अभियान पर बहुत जो दिया जा रहा है।

मोहन– परन्तु यह अभियान तो पूरे देश में तथा हर गाँव में चल रहा है।

मोहन– गाँव में इस का क्या लाभ है।

राकेश – गाँव में भी शौचलय बनाए जा रहे है सड़के बनाई जा रही है। स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

मोहन– यह अभिमान तो सभी के सहयोग से सफल हो रहा है।

राकेश – अच्छा मैं भी आज से ही स्वच्छता पर ध्यान दूँगा।

प्र.17

विज्ञापन

बेचना है

<u>कॅरियर पाइन्ट गुरूकुल, कोटा (राज.)</u>

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की कलाविथि में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेटिंग्स बिक्री के लिए उपलब्ध है जिस किसी को पेटिंग्स खरीदनी हो वह अपने चित्रकला अध्यापक से सम्पर्क करे।

सम्पर्क सूत्र :–

अध्यक्ष

विद्यालय कला समिति

अथवा

पहरेदारकॅरियर पाइन्ट गुरूकुल, कोटा (राज.)

जल है तो कल है।

'' जल है जीवन का अनमोल रतन,

आपसे अनुरोध है कि विद्यालय में कम से कम जल का उपयोग करें।

धन्यवाद।

सम्पर्क सूत्र

अध्यक्ष

पहरेदार विद्यालय समिति